पत्रावली पेश। आवेदक, प्रार्थीगण एवं ग्रामीण संख्या २ व ३ उपस्थित। मुलाहिजा जरिये उपशासन एवं विद्रो जारिन किया जा चुका है अतः इस प्रार्थना पत्र को आगे चलाए जाने का औचित्य नहीं है। पत्रावली निर्णीत समझी जाकर दाखिल दफ्तर हो